



Aaditya

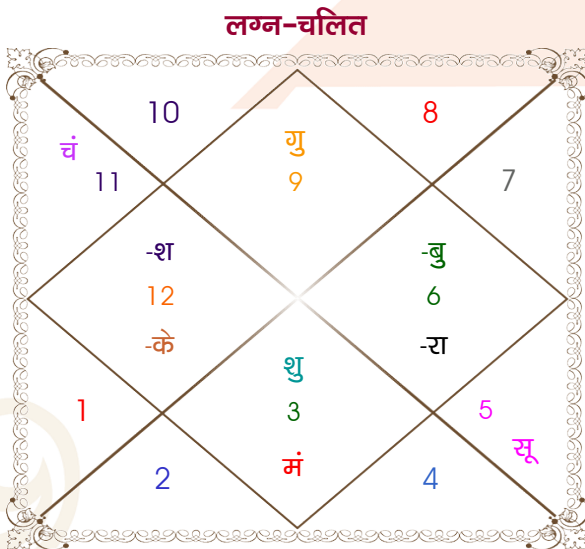


Model: Web-FreeMatching

Order No: 121711402

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग \_\_\_\_\_  
 29/08/1996 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 12/09/1998  
 गुरुवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : शनिवार  
 घंटे 15:42:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 18:40:00 घंटे  
 घटी 24:02:59 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 31:13:12 घटी  
 India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
 Jaipur : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Kota  
 26:53:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 25:11:00 उत्तर  
 75:50:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 75:58:00 पूर्व  
 82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
 घंटे -00:26:40 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:26:08 घंटे  
 घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
 06:04:48 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 06:10:53  
 18:49:45 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 18:33:42  
 23:48:41 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:50:11

विंशोत्तरी गुरु 13वर्ष 6मा 12दि शनि 13/03/2010 13/03/2029		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि राहु 26/01/2009 26/01/2027	
शनि	16/03/2013	19:29:03	धनु	लग्न	कुंभ	29:03:40	राहु	09/10/2011
बुध	24/11/2015	12:31:59	सिंह	सूर्य	सिंह	25:44:02	गुरु	04/03/2014
केतु	02/01/2017	22:03:14	कुंभ	चंद्र	वृष	18:50:10	शनि	08/01/2017
शुक्र	03/03/2020	28:57:37	मिथु	मंगल	कर्क	20:39:21	बुध	28/07/2019
सूर्य	13/02/2021	08:08:40	कन्या	बुध	सिंह	14:01:36	केतु	15/08/2020
चन्द्र	15/09/2022	14:03:04	धनु व	गुरु व	कुंभ	29:41:41	शुक्र	15/08/2023
मंगल	24/10/2023	27:01:34	मिथु	शुक्र	सिंह	13:15:55	सूर्य	09/07/2024
राहु	30/08/2026	12:12:48	मीन व	शनि व	मेष	09:08:01	चन्द्र	08/01/2026
गुरु	13/03/2029	14:26:46	कन्या व	राहु व	सिंह	07:31:05	मंगल	26/01/2027
		14:26:46	मीन व	केतु व	कुंभ	07:31:05		
		07:30:16	मक व	हर्ष व	मक	15:29:45		
		01:32:36	मक व	नेप व	मक	05:46:21		
		06:37:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57		



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>30.50</b>		

िकपजलं का वर्ग मेष है तथा V का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट/मिलान के अनुसार िकपजलं और V का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

िकपजलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।**

**तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ॥**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कV जाता है।

क्योंकि िकपजलं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

V मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

**गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ॥**

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।**

**तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ॥**

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कV जाता है।

क्योंकि राहु V कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि V कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कV जाता है।

किंपजलं तथा V में मंगलीक मिलान ठीक है।

### **निष्कर्ष**

अष्टकूV एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

